वो बारिश और शिल्पा का साथ

“वो मेरे पीछे बैठ गई। मैं बाइक को रफ़्तार से दौड़ाने लगा। उसके मोम्मे मेरी पीठ से सटे हुये थे। मैं गरम हो रहा था। दिल कर रहा था कि अभी चोद डालूँ साली को। ...”

Story By: (event_manager_jaipur)
Posted: Wednesday, January 12th, 2005
Categories: कोई मिल गया
Online version: वो बारिश और शिल्पा का साथ

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

वो बारिश और शिल्पा का साथ

उम्र 23 वर्ष।
हाईट 5’8″
साइज 9″
तो दोस्तों बात उस दिन की है जब बारिश हो रही थी और मैं भीगता हुआ अपने घर की तरफ़ अपनी बाइक पे जा रहा था। शाम के करीब 5:30 का समय था। अचानक मैंने देखा कि मेरी तरफ़ कोई लिफ़्ट के लिये कोई हाथ हिला रहा था, गौर से देखा तो वो 25-30 साल की एक युवती थी। मैंने बाइक रोकी। वो मेरे पास आके पूछने लगी कि आप कहां जा रहे हो ?
मैंने कहा-आपको कहां जाना है ?

वो रेलवे स्टेशन जाना चाहती थी। मैंने कहा कि मैं भी वहीं जा रहा हूं (जबकि मैं अपने घर जा रहा था)। वो मेरे पीछे बैठ गई। मैं बाइक को रफ़्तार से दौड़ाने लगा। उसके मोम्मे मेरी पीठ से सटे हुये थे। मैं गरम हो रहा था। बातों बातों में पता चला कि वो जयपुर में जोब करती है, उस का पति दिल्ली में कोई प्राइवेट जोब करता था और वो अपनी बेटी को लेने के लिये जा रही थी जो आज़ ट्रेन से आने वाली थी।

हम रेलवे स्टेशन पहुँच गये थे, ट्रेन आने में अभी थोड़ा टाइम था, हम कैंटीन में चाय पीने चले गये। कैंटीन में उस ने जैसे ही उस ने अपना रेन कोट उतारा तो मुझे उस की जवानी के दर्शन हुये। गज़ब की खूबसूरती थी उस की। सफ़ेद रंग के टोप में उस की ब्रा भी चमक रही थी सो उसके मोम्मों के साइज़ का अंदाज़ा लगाना कोई मुश्किल नहीं था। एक दम गोरी चिट्टी थी वो।

चाय पीते हुये मैंने उसके हुस्न का नज़ारा लिया और खूब बातें भी की। सर्दी के मौसम में

उस की गरम जवानी ने मेरे रोम रोम में गरमी भर दी थी और मेरा लण्ड अपने आपे से बाहर हो रहा था।

तभी ट्रेन भी आ गयी। हमने उस की 5 साल की बेटी को साथ लिया और फ़िर मैंने उसे कहा- मैं आपके घर तक छोड़ देता हूं।

उस ने मना किया लेकिन मैं जानना चाहता था कि वो कहां रहती है क्योंकि वो मुझे बता चुकी थी कि वो अकेली ही रहती है। मैंने दोनो को बाइक पे बैठाया और उस के घर की तरफ़ चल दिया।

उस का घर आते ही बारिश भी तेज़ हो गयी। उस ने मुझे बारिश रुकने तक रुकने के लिये कहा और मैं भी तो यहि चाहता था। मैं पूरी तरह भीग चुका था। उसने कॉफी बनायी और चेंज कर के जब वो मेरे सामने आयी तो ब्लैक सिल्की नाइटी में वो कॉफी से भी ज्यादा गरम लग रही थी। दिल कर रहा था कि अभी चोद डालूँ साली को।

सफ़र की वजह से उसकी बेटी आते ही सो गयी थी, बारिश रुकने का नाम नही ले रही थी। तभी लाइट भी चली गयी। वो केंडिल लेने के लिये उठी, मैं भी उसकी मदद करने लगा लेकिन केंडिल नहीं मिली। अंधेरे में वो मुझ पर गिर गयी। वाह क्या गरमी थी। उसने उठने की कोशिश की लेकिन मैंने उसको अपनी बाहों में भर लिया और छोड़ा ही नहीं, पहले उसने विरोध किया लेकिन वो भी शायद कई दिनो की प्यासी थी तो उसने भी ज्यादा कोशिश नहीं की।

मैंने उसके मोम्मे दबाने शुरु कर दिये, वो गरम हो रही थी। मैंने धीरे धीरे अपना एक हाथ उसकी नाइटी उठाते हुये उसकी पैंटी में डाल दिया। वो सिहर उठी। मैंने अपना मुँह उस की चूत के पास लाके उस की पैंटी को अलग कर दिया।

उसकी बालों वाली चूत एकदम सेक्सी थी। मैंने उसमें अँगुली करनी शुरु कर दी। वो आआआअह कर रही थी। मस्ती उफ़ान पे थी। मेरे दोनो हाथ उसके मोम्मों पे थे। वो आंखें बंद करके मेरा साथ दे रही थी।

जब उस से रहा नहीं गया तो उसने कहा- प्लीज़ अब चोद भी दो, मैं बहुत दिन से प्यासी हूं।

मैंने अपनी पैंट उतार दी। मेरा लण्ड देखते ही वो खुश हो गयी। मैंने उसकी दोनो टांगों को खोला और फ़िर अपना अंडरवियर।

अपना लण्ड एक ही झटके में उस की चूत में डाल दिया। वो ऊऊउह की आवाज़ में मज़ा ले रही थी। अब कमरे में उस की आहें और फ़चाक फ़चाक की आवाज़ें गूंज रही थी।

वो बोली- और ज़ोर से चोदो मुझे, फ़ाड़ डालो मेरी चूत को। यो साली बड़े दिन से लण्ड की भूखी है। आज इस की भूख और मेरी प्यास बुझा दो। चोदो चोदो और ज़ोर से चोदो मुझे।

उसके बोलने के साथ ही मेरी स्पीड भी बढ़ रही थी। ये सिलसिला करीब 25 मिनट चला फ़िर हम दोनो शांत होकर एक दूसरे से लिपट के लेटे रहे।

10 मिनट बाद वो उठी और मेरे लण्ड को अपने हाथ में ले लिया। उसने बड़े प्यार से मेरे लण्ड को कहा- यू आर सो स्वीट और अपने मुँह में डाल लिया। वो लण्ड को ऐसे चूस रही थी कि मानो लोलीपोप चूस रही हो।

मेरा लण्ड दोबारा से चुदाई के लिये तैयार हो गया था। 15 मिनट के बाद मैंने उसे घोड़ी बनाया और फ़िर पीछे से उसकी गांड में अपना लण्ड डाल दिया। वो चुद रही थी, मैं चोद रहा था। ये चुदाई सारी रात में 6 बार हुई।

बारिश भी तभी रुकी जब सुबह हुई और उसकी प्यास मैंने बुझा दी।

उसके बाद जब भी वो या मैं चाहते तो मिलकर ये चुदाई का खेल खेलते हैं।

आपको मेरी ये कहानी कैसी लगी जरूर बताएँ…
event_manager_jaipur@yahoo.com

Other stories you may be interested in

मेरी गांड मराने की शुरूआत

हैलो फ्रेंड्स, मेरी पहली कहानी चलती बस में गांड मराई की हसीन रात के लिए आप लोगों के मुझे बहुत सारे ईमेल आए, जिनसे मुझे मालूम हुआ कि मेरी कहानी आप सभी को बहुत अच्छी लगी. इतना अच्छा रिस्पोंस मिलने […]
Full Story >>>

भाभी ने जॉब दिलायी लंड लिया

अंतर्वासना के सभी दोस्तों, भाभियों, आंटियों और लड़कियों को नमस्ते के साथ-साथ उनकी चूत को भी ढेर सारा प्यार और चूत में उंगली ! मैं अन्तर्वासना का रेगुलर पाठक हूं. यह मेरे साथ बीती हुई एक सच्ची घटना है. मैं आशा […]
Full Story >>>

चाची ने चूत चुदाई करवा के मर्द बनाया

यह एक सच्ची घटना है, जो मेरे साथ पाँच साल पहले घटी थी. जब मेरा पहला सेक्स चाची के साथ हुआ था. इस घटना में मैं आपके साथ अपना वो अनुभव साझा करना चाहता हूँ कि कैसे मेरी चाची ने […]
Full Story >>>

जीजा के साथ मेरा सुहागदिन-1

मेरा नाम सपना कंवर है और मैं राजस्थान के बीकानेर से हूँ. मेरी हाईट 5 फीट 6 इंच है और साइज़ 34-30-34 है. यह कहानी मेरे और जीजा जी के बीच में हुई सच्ची घटना है. यह कहानी तब की […]
Full Story >>>

चुदक्कड़ टीचर ने पढ़ाए चुदाई के पाठ-4

चल अब नीचे बैठ जा घुटनों के बल और स्वर्णामृत का लुत्फ़ उठा … बाकि के दो अमृत जब जब समय आएगा तुझे पिला दूंगी.” बाली रानी के कहे अनुसार मैं फर्श पर घुटनों के बल बैठ गया. रानी भी […]
Full Story >>>